

गणतंत्र दिवस 2019 के पदक विजेता

पुलिस वीरता पुरस्कार

1. इंस्पेक्टर राहुल कुमार:दिल्ली में हुए 2008 के बम धमाकों के गुनाहगार मोहम्मद सैफ व अन्य को मुठभेड के बाद गिरफ्तार किया गया जो गिरफ्तार आतंकवादी अन्य कई राज्यों में हमले में शामिल रहे थे.

2. इंस्पेक्टर रविंदर कुमार त्यागी, सहायक उप निरीक्षक राजेंदर कुमार तथा सहायक उप निरीक्षक गुरमीत सिंह: स्पेशल सेल को 07.03.2006 को दिल्ली में लश्कर-ए-तोइबा के कुछ वांछित आतंकवादियों के छुपे होने की सुचना मिली थी जो इंस्पेक्टर रविंदर कुमार त्यागी व उनकी टीम ने मुठभेड में तीन आतंकवादियों को मार गिराया.

राष्ट्रपति विशिष्ट पुलिस सेवा पदक

3. मिस नुजहत हस्सन, विशेष आयुक्त पुलिस: मिस नुजहत हस्सन वर्ष 1991 में भारतीय पुलिस सेवा में नियुक्त हुई थी. इन्होंने पीसीआर इकाई, दिल्ली व अरुणाचल प्रदेश में पुलिस के आधुनिकरण में काफी सराहनीय कार्य किया. इन्होंने महिला सुरक्षा व उत्तर पूर्वी क्षेत्र के लोगों की सुरक्षा के लिए भी काफी उत्कृष्ट कार्य किये है.

स्वतंत्रता दिवस 2018 के पदक विजेता

1.श्री ओ.पी. मिश्रा, संयुक्त आयुक्त पुलिस,आर्थिक अपराध शाखा:श्री ओ.पी. मिश्रा को स्वतंत्रता दिवस 2018 में राष्ट्रपति विशिष्ट पुलिस सेवा पदक से नवाजा गया था तथा दिल्ली पुलिस स्थापना दिवस के अवसर पर प्रदान किया जा रहा है.

राष्ट्रपति उत्कृष्ट पुलिस सेवा मैडल

1.डॉ. अजित कुमार सिंगला: इन्होंने मई 1992 में पुलिस सेवा ज्वाइन की. बतौर सहायक पुलिस आयुक्त, सीलमपुर, शाहदरा व सदर बाज़ार रहते हुए काफी सराहनीय कार्य किये. इन्होंने अपने अरुणाचल प्रदेश के Superintendent of Police के पद पर रहते हुए अपना कार्य कुशलता दिखाते हुए NSCN के कई घुसपैठियों को गिरफ्तार किया जो इनके इस उत्कृष्ट कार्य के लिए इन्हें माननीय गवर्नर, अरुणाचल प्रदेश द्वारा स्वतंत्रता दिवस 2014 के आयोजन पर स्टेट गोल्ड मैडल से सम्मानित किया.

2. श्री राज कुमार सिंह, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त : इन्होंने वर्ष 1993 में पुलिस सेवा ज्वाइन की और बतौर सहायक पुलिस आयुक्त के पद पर रहते हुए बहुत से लुटेरों, अपहरणकर्ताओं व वांछित अपराधियों को पकड़ने में योगदान दिया व उत्तर-पूर्वी राज्यों में 2013 व 2014 के विधानसभा चुनाव को सफलतापूर्वक संपन्न करवाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया.

3. श्रीमतीगीता रानी वर्मा, उपायुक्त पुलिस दिल्ली : इन्होंने 1993 में पुलिस सेवा ज्वाइन की थी. इन्होंने बतौर सहायक आयुक्त पुलिस CAW Cell घरेलु झगड़ों व वैवाहिक मसलों पर आधारित बहुत से केसों का निपटारा किया. इन्होंने Security इकाई में रहते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति जॉर्ज w. बुश की सुरक्षा इंतजामों में सराहनीय कार्य किया. इन्होंने बतौर IG कारागार की तैनाती के दौरान कैदियों के कल्याण व अधिकारों के लिए विशेष कार्य किये.

4. श्री जॉय नथानिएल टिकी, उपायुक्त पुलिस : इन्होंने 1996 में पुलिस सेवा ज्वाइन की थी. इन्होंने अपनी दिल्ली में बतौर सहायक आयुक्त पुलिस तैनाती के दौरान बहुत से वांछित अपराधियों व केसों को सुलझाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जिसके लिए इन्हें मीडिया व पुलिस द्वारा समय समय पर सम्मानित किया जा चुका है.

5. श्री मोहम्मद इकबाल, सहायक आयुक्त पुलिस: इन्होंने वर्ष 1981 में बतौर उप निरीक्षक दिल्ली पुलिस ज्वाइन की थी. इन्होंने SIEMENSINDIA के साथ मिलकर पीसीआर

इकाई के आधुनिकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई. इन्होंने साइबर से संबंधित अपराधों को सुलझाने के लिए महत्वपूर्ण प्रयास किये.

6. इंस्पेक्टर अतुल कुमार वर्मा : इन्होंने वर्ष 1990 में बतौर उप निरीक्षक दिल्ली पुलिस ज्वाइन की थी. इन्होंने अपने SHO के कार्यकाल के दौरान बहुत से अपराधों की रोकथाम के लिए अथक प्रयास किये. इन्होंने बहुत से महत्वपूर्ण अपराधों जैसे की धौला कुआँ रेप केस 2010, डिफेन्स कॉलोनी कैश वैन लूटपाट आदि केसों को सुलझाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई.

7. इंस्पेक्टर रविंदर कुमार त्यागी : इन्होंने वर्ष 1997 में बतौर उप निरीक्षक दिल्ली पुलिस ज्वाइन की थी. इन्होंने स्पेशल सेल में रहते हुए 50 भारतीय व विदेशी आतंकवादियों को पकड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई.

8. महिला निरीक्षक जय श्री गोशाई : इन्होंने वर्ष 1988 में बतौर सहायक उप निरीक्षक दिल्ली पुलिस ज्वाइन की थी. इन्होंने स्पेशल सेल में रहते हुए 60 भारतीय व विदेशी आतंकवादियों को पकड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई. इन्होंने अंडरवर्ल्ड डॉन फज़ल-उर-रहमान उर्फ़ फज़लू को भी पकड़ने में सराहनीय कार्य किया.

9. महिला उप निरीक्षक कौशल कुमारी : इन्होंने वर्ष 1987 में बतौर सिपाही दिल्ली पुलिस ज्वाइन की थी. अपने कार्यकाल के दौरान यह दिल्ली पुलिस की विभिन्न इकाइयों में तैनात रही तथा इनका सेवा काल बड़ा ही उत्कृष्ट रहा.

10. उप निरीक्षक महेश सिंह : इन्होंने वर्ष 1982 में बतौर सिपाही दिल्ली पुलिस ज्वाइन की थी. अपने कार्यकाल के दौरान यह दिल्ली पुलिस की विभिन्न इकाइयों में तैनात रहा तथा इनका सेवा काल बड़ा ही उत्कृष्ट रहा.

11. सहायक उप निरीक्षक सत्येन्द्र सिंह : इन्होंने वर्ष 1995 में बतौर सिपाही दिल्ली पुलिस ज्वाइन की थी. इन्होंने स्पेशल सेल में रहते हुए 50 भारतीय व विदेशी आतंकवादियों को पकड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई. जो इन्हें 2005 में नामी अपराधी रामधारी उर्फ़ बाली के साथ मुठभेड़ में इनके द्वारा किये गये सराहनीय कार्य के लिए इन्हें समय से पहले पदोन्नति देकर प्रधान सिपाही बनाया गया.

12. सहायक उप निरीक्षक राजबीर सिंह : इन्होंने वर्ष 1982 में बतौर सिपाही दिल्ली पुलिस ज्वाइन की थी. अपने कार्यकाल के दौरान यह दिल्ली पुलिस की विभिन्न इकाइयों में तैनात रहा तथा इनका सेवा काल बड़ा ही उत्कृष्ट रहा.

13.प्रधान सिपाही वीरेंदर सिंह : इन्होंने वर्ष 1988 में बतौर सिपाही दिल्ली पुलिस ज्वाइन की थी. अपने कार्यकाल के दौरान यह दिल्ली पुलिस की विभिन्न इकाइयों में तैनात रहा तथा इन्होंने अपनी मेहनत एवं लगन से बहुत से जघन्य अपराधों को सहायता प्रदान की.

14. प्रधान सिपाही प्रेम चंद : इन्होंने वर्ष 1988 में बतौर सिपाही दिल्ली पुलिस ज्वाइन की थी. अपने कार्यकाल के दौरान यह दिल्ली पुलिस की विभिन्न इकाइयों में तैनात रहा तथा इनका सेवा काल बड़ा ही उत्कृष्ट रहा.

15. प्रधान सिपाही जगानीवासन आर : इन्होंने वर्ष 1989 में बतौर सिपाही दिल्ली पुलिस ज्वाइन की थी. अपने कार्यकाल के दौरान यह दिल्ली पुलिस की विभिन्न इकाइयों में तैनात रहा तथा इनका सेवा काल बड़ा ही उत्कृष्ट रहा.

16. महिला प्रधान सिपाही पूनम वर्मा : इन्होंने वर्ष 1996 में बतौर सिपाही दिल्ली पुलिस ज्वाइन की थी. अपने कार्यकाल के दौरान यह दिल्ली पुलिस की विभिन्न इकाइयों में तैनात रही तथा इनका सेवा काल बड़ा ही उत्कृष्ट रहा.

17. महिला प्रधान सिपाही प्रोमिला : इन्होंने वर्ष 1996 में बतौर सिपाही दिल्ली पुलिस ज्वाइन की थी. अपने कार्यकाल के दौरान यह दिल्ली पुलिस की विभिन्न इकाइयों में तैनात रही तथा इनका सेवा काल बड़ा ही उत्कृष्ट रहा.

स्वतन्त्रता दिवस 2019 के पदक विजेता

राष्ट्रपति विशिष्ट पुलिस सेवा मैडल

1. श्री शिवाजी सिन्हा, संयुक्त आयुक्त पुलिस : इन्होंने प्रधानमंत्री सुरक्षा इकाई में कार्य करते हुए काफी सराहनीय कार्य किये है. इन्होंने केन्द्रीय बजट 2017-18 व 2018-19 की प्रिंटिंग की सुरक्षा की सफलतापूर्वक अगुवाई की. हाल ही में सेक्रेटरी सिक्कूरिटी ने इनको हवाई अड्डे पर ATCTOWER के सम्प्रेषण को बाधित करने वाले सिक्कूरिटी जैमरस की समस्या को सुलझाने के लिए गठित समिति का मुखिया नियुक्त किया है.

2. श्री दिनेश तिवारी, सहायक पुलिस आयुक्त : इन्होंने वर्ष 1981 में बतौर उप निरीक्षक दिल्ली पुलिस ज्वाइन की थी. अपने कार्यकाल के दौरान यह दिल्ली पुलिस की विभिन्न इकाइयों में तैनात रहा तथा इनका सेवा काल बड़ा ही उत्कृष्ट रहा. इनकी उपलब्धियों को 2012 के गणतंत्र दिवस समारोह पर इनको राष्ट्रपति पदक से सम्मानित किया गया.

3. महिला उप निरीक्षक कौशल कुमारी: इन्होंने वर्ष 1988 में बतौर सिपाही दिल्ली पुलिस ज्वाइन की थी. अपने कार्यकाल के दौरान यह दिल्ली पुलिस की विभिन्न इकाइयों में तैनात रही तथा इनका सेवा काल बड़ा ही उत्कृष्ट रहा. इनकी उपलब्धियों को 2011 के गणतंत्र दिवस समारोह पर इनको राष्ट्रपति पदक से सम्मानित किया गया.

राष्ट्रपति उत्कृष्ट पुलिस सेवा मैडल

4. श्री चोऊ कुंदिमंग मीन, अतिरिक्त आयुक्त पुलिस : इन्होंने उपायुक्त निदेशक के पद पर 1992 में नियुक्त किया गया था. इन्होंने निदेशक पुलिस, लोंगडिंग के पद पर रहते हुए भारतीय सेना व असम राइफल्स के साथ मिलकर सामुहिक ऑपरेशन करके पांच NSCN के अपराधियों को पकड़ा. इन्होंने फतेहपुर सिकरी व आगरा में लोकसभा चुनाव 2019 को सफलतापूर्वक संपन्न कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई.

5. श्री मोहम्मद अख्तर रिज़वी, उपायुक्त पुलिस : इन्होंने वर्ष 1997 में भारतीय पुलिस ज्वाइन की थी. इन्होंने पीसीआर इकाई के आधुनिकरण के लिए विशेष कार्य किया. इन्होंने

सिक््यूरिटी इकाई में रहते हुए प्रधानमंत्री व अन्य विशेष महत्वपूर्ण व्यक्तियों को सुरक्षा प्रदान करने में विशेष योगदान दिया.

6.श्री हरेंदर कुमार सिंह, अतिरिक्त उपायुक्त पुलिस : इन्होंने वर्ष 1997 में भारतीय पुलिस ज्वाइन की थी. इन्होंने तीस हजारी में वकीलों के दंगों को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई. इन्होंने यातायात इकाई में रहते हुए राष्ट्रमंडल खेल, 2010 में यातायात को सुचारू रूप से चलाने में विशेष योगदान दिया.

7. मिससुमन नलवा, उपायुक्त पुलिस : इन्होंने वर्ष 1997 में भारतीय पुलिस ज्वाइन की थी. इन्होंने दिल्ली पुलिस की विभिन्न इकाइयों में अपना योगदान दिया. इन्हीं के अथक प्रयासों से हिम्मत एप्प को शुरू किया. इन्हीं के समय में महिलाओं के प्रशिक्षण के लिए द्वारका में आधुनिक तकनीकों से सुसज्जित महिला प्रशिक्षण केंद्र शुरू किया गया.

8.मिसमीना नायडू, सहायक आयुक्त पुलिस : इन्होंने वर्ष 1981 में बतौर उप निरीक्षक दिल्ली पुलिस ज्वाइन की थी. अपने कार्यकाल के दौरान यह दिल्ली पुलिस की विभिन्न इकाइयों में तैनात रही तथा इन्हीं के अथक प्रयासों से दिल्ली पुलिस को वर्ष 2017 में CENTRE OF EXCELLENCE का पुरस्कार मिला.

9.निरीक्षक हरीश चन्द्र: इन्होंने वर्ष 1989 में बतौर उप निरीक्षक दिल्ली पुलिस ज्वाइन की थी. इन्होंने अपने SHOके कार्यकाल के दौरान बहुत से अपराधों की रोकथाम के लिए अथक प्रयास किये. इन्होंने बहुत से महत्वपूर्ण अपराधों को सुलझाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई.

10.निरीक्षक मोहन सिंह रावत : इन्होंने वर्ष 1989 में बतौर उप निरीक्षक दिल्ली पुलिस ज्वाइन की थी. इन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान गृहमंत्री के PSOके रूप में कार्य किया. इन्होंने बहुत से महत्वपूर्ण अपराधों को सुलझाने में भूमिका निभाई.

11.निरीक्षक मोहिंदर सिंह: इन्होंने वर्ष 1980 में बतौर सिपाही दिल्ली पुलिस ज्वाइन की थी व वर्ष 1983 में प्रधान सिपाही (लिपिकीय) नियुक्त हुए. अपने कार्यकाल के दौरान यह दिल्ली पुलिस की विभिन्न इकाइयों में तैनात रहे तथा इनका सेवा काल बड़ा ही उत्कृष्ट रहा.

12.निरीक्षक अरुण कुमार सिंह : इन्होंने वर्ष 1990 में बतौर सिपाही दिल्ली पुलिस ज्वाइन की थी. वर्ष 1992 में इन्हें बहादुरी के लिए असाधारण कार्य पुरस्कार दिया गया तथा 1996 में समय से पहले पदोन्नति प्रदान की गयी. इन्होंने बहुत से महत्वपूर्ण अपराधों को सुलझाने में भूमिका निभाई.

13.निरीक्षक छंदा सहिज्वानी: इन्होंने वर्ष 1986 में बतौर उप निरीक्षक (तकनीकी) दिल्ली पुलिस ज्वाइन की थी. इन्होंने SIEMENSINDIAके साथ मिलकर पीसीआर इकाई के आधुनिकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई.

14.निरीक्षक महेश कुमार :इन्होंने वर्ष 1989 में बतौर उप निरीक्षक (तकनीकी) दिल्ली पुलिस ज्वाइन की थी. इन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान VIPरूट, यातायात संचालन में आधुनिक तकनीकों का प्रयोग करते हुए नक्शे बनाए.

15.महिला उप निरीक्षक किरण सेठी :इन्होंने वर्ष 1987 में बतौर सिपाही दिल्ली पुलिस ज्वाइन की थी. अपने कार्यकाल के दौरान यह दिल्ली पुलिस की विभिन्न इकाइयों में तैनात रही तथा इनका सेवा काल बड़ा ही उत्कृष्ट रहा.

16. सहायक उप निरीक्षक भेरू सिंह राठौर :इन्होंने वर्ष 2000 में बतौर सिपाही दिल्ली पुलिस ज्वाइन की थी. अपने कार्यकाल के दौरान यह दिल्ली पुलिस की विभिन्न इकाइयों में तैनात रहा तथा इनका सेवा काल बड़ा ही उत्कृष्ट रहा.

17. सहायक उप निरीक्षक विजयन जी: इन्होंने वर्ष 1985 में बतौर सिपाही दिल्ली पुलिस ज्वाइन की थी. अपने कार्यकाल के दौरान यह दिल्ली पुलिस की विभिन्न इकाइयों में तैनात रहा तथा इनका सेवा काल बड़ा ही उत्कृष्ट रहा.

18.सहायक उप निरीक्षक बैग पाल सिंह : इन्होंने वर्ष 1988 में बतौर सिपाही दिल्ली पुलिस ज्वाइन की थी. अपने कार्यकाल के दौरान यह दिल्ली पुलिस की विभिन्न इकाइयों में तैनात रहा तथा इनका सेवा काल बड़ा ही उत्कृष्ट रहा.

गृह मंत्री उत्कृष्ट पुलिस प्रशिक्षण पदक

वर्ष 2015-16

1. **श्री लक्ष्मी नारायण सहारन, सहायक आयुक्त पुलिस** : इन्होंने पुलिस प्रशिक्षण केंद्र में प्रशिक्षुओं को उत्तम मार्गदर्शन देने में अहम भूमिका निभाई.
2. **निरीक्षक बीर सिंह** : इन्होंने पुलिस प्रशिक्षण केंद्र में प्रशिक्षुओं को उत्तम प्रशिक्षण देने में अहम भूमिका निभाई. इन्होंने प्रशिक्षको को बाह्य प्रशिक्षण दिया.
3. **उप निरीक्षक रोहताश** : इन्होंने पुलिस प्रशिक्षण केंद्र में प्रशिक्षुओं को उत्तम प्रशिक्षण देने में अहम भूमिका निभाई. इन्होंने प्रशिक्षको को बाह्य प्रशिक्षण दिया.
4. **निरीक्षक जोहनी अंतो** : इन्होंने पुलिस प्रशिक्षण केंद्र में प्रशिक्षुओं को उत्तम प्रशिक्षण देने में अहम भूमिका निभाई. इन्होंने प्रशिक्षको को कानूनी प्रशिक्षण दिया.

वर्ष 2016-17

1. **सहायक उप निरीक्षक बनर सिंह** : इन्होंने पुलिस प्रशिक्षण केंद्र में प्रशिक्षुओं को उत्तम प्रशिक्षण देने में अहम भूमिका निभाई. इन्होंने प्रशिक्षको को कानूनी प्रशिक्षण दिया.
2. **सहायक उप निरीक्षक सुंदर सहरावत** : इन्होंने पुलिस प्रशिक्षण केंद्र में प्रशिक्षुओं को उत्तम प्रशिक्षण देने में अहम भूमिका निभाई. इन्होंने प्रशिक्षको को बाह्य प्रशिक्षण दिया.
3. **सहायक उप निरीक्षक धरमबीर** : इन्होंने पुलिस प्रशिक्षण केंद्र में प्रशिक्षुओं को उत्तम प्रशिक्षण देने में अहम भूमिका निभाई. इन्होंने प्रशिक्षको को बाह्य प्रशिक्षण दिया.
4. **सहायक उप निरीक्षक जगजीत सिंह** : इन्होंने पुलिस प्रशिक्षण केंद्र में प्रशिक्षुओं को उत्तम प्रशिक्षण देने में अहम भूमिका निभाई. इन्होंने प्रशिक्षको को बाह्य प्रशिक्षण दिया.

वर्ष 2017-18

1. **श्री हरपाल सिंह, सहायक आयुक्त पुलिस, पुलिस प्रशिक्षण कॉलेज** : इन्होंने पुलिस प्रशिक्षण केंद्र में प्रशिक्षुओं को उत्तम मार्गदर्शन देने में अहम भूमिका निभाई.

2.श्री वीरेंदर सिंह यादव, सहायक आयुक्त पुलिस, पुलिस प्रशिक्षण कॉलेज : इन्होंने पुलिस प्रशिक्षण केंद्र में प्रशिक्षुओं को उत्तम प्रशिक्षण देने में अहम भूमिका निभाई. इन्होंने प्रशिक्षको को कानूनी प्रशिक्षण दिया.

3.निरीक्षक सुरेन्द्र सिंह: इन्होंने पुलिस प्रशिक्षण केंद्र में प्रशिक्षुओं को उत्तम प्रशिक्षण देने में अहम भूमिका निभाई. इन्होंने प्रशिक्षको को कानूनी प्रशिक्षण दिया.

4.उप निरीक्षक हरेंदर सिंह: इन्होंने पुलिस प्रशिक्षण केंद्र में प्रशिक्षुओं को उत्तम प्रशिक्षण देने में अहम भूमिका निभाई. इन्होंने प्रशिक्षको को कानूनी प्रशिक्षण दिया.

5.उप निरीक्षक ओम प्रकाश : इन्होंने पुलिस प्रशिक्षण केंद्र में प्रशिक्षुओं को उत्तम प्रशिक्षण देने में अहम भूमिका निभाई. इन्होंने प्रशिक्षको को कानूनी प्रशिक्षण दिया.

6. निरीक्षक ब्रिजेश कुमार: इन्होंने पुलिस प्रशिक्षण केंद्र में प्रशिक्षुओं को उत्तम प्रशिक्षण देने में अहम भूमिका निभाई. इन्होंने प्रशिक्षको को बाह्य प्रशिक्षण दिया.

7.उप निरीक्षक अक्षय: इन्होंने पुलिस प्रशिक्षण केंद्र में प्रशिक्षुओं को उत्तम प्रशिक्षण देने में अहम भूमिका निभाई. इन्होंने प्रशिक्षको को कमांडो प्रशिक्षण दिया.

8. प्रधान सिपाही विकास गुलिया :इन्होंने पुलिस प्रशिक्षण केंद्र में प्रशिक्षुओं को उत्तम प्रशिक्षण देने में अहम भूमिका निभाई. इन्होंने प्रशिक्षको को बाह्य प्रशिक्षण दिया.